

## शैक्षणिक कार्यक्रम

1. **उद्देश्य** :- विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों की संरचना का उद्देश्य शिक्षित नागरिकों के माध्यम से प्राकृतिक एवं योग चिकित्सा के वैज्ञानिक ज्ञान का प्रचार-प्रसार करना है। परिषद की योजना अच्छे स्वास्थ्य के लिए गांधीवादी विचारों को समाहित करती हुई कुदरती उपचार व योग के सिद्धान्तों को पूरे विश्व में समाज के अन्तिम छोर तक पहुँचाना है।

2. **शैक्षणिक सत्र** :- प्रत्येक वर्ष में दो शैक्षणिक सत्र प्रारम्भ होंगे। पहला शीतकालीन सत्र—एक जनवरी से प्रारम्भ होगा जिसकी वार्षिक परीक्षाएं दिसम्बर के द्वितीय शनिवार व रविवार को होगी। जबकि दूसरा ग्रीष्मकालीन सत्र 1 जुलाई से प्रारम्भ होगा जिसकी परीक्षाएं आगामी जून के दूसरे शनिवार व रविवार को होगी। प्रशिक्षण व परीक्षा का माध्यम हिन्दी और अंग्रेजी होगा। अगर संभव हो सका तो स्थानीय भाषा में भी अनुमति प्रदान की जा सकती है।

3. **प्रचलित पाठ्यक्रम** :-

(अ) प्राकृतिक एवं योग चिकित्सा में छः माह का प्रारम्भिक प्रमाण-पत्र (सी०ई०एन०वाई०) का पाठ्यक्रम (पूर्व की प्रवेश परीक्षा)

**पात्रता** :- दसवीं या समकक्ष उत्तीर्ण। प्राकृतिक चिकित्सा में विगत दस वर्षों से सेवारत ऐसे अनुभवी व्यक्ति जो हिन्दी अथवा अंग्रेजी में लिख-पढ़ सकते हों को पात्रता में विशेष छूट प्रदान की जा सकती है।

(ब) प्राकृतिक व योग चिकित्सा तकनीक का एक वर्षीय (सी०एन०वाई०टी०) प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम (पूर्व की उपचारक परीक्षा)

**पात्रता** :- बारहवीं या समकक्ष उत्तीर्ण या परिषद की प्रवेश या सी०ई०एन०वाई० उत्तीर्ण।

(स) प्राकृतिक व योग चिकित्सा विज्ञान का साढ़े तीन वर्षीय (डी०एन०वाई०एस०) पाठ्यक्रम :- जिसमें छह माह का व्यावहारिक

कार्य अनुभव, तृतीय वर्ष उत्तीर्ण करने के बाद का सम्मिलित है।

**शैक्षणिक योग्यता :-** बारहवीं या समकक्ष उत्तीर्ण अथवा उपचारक या सी०एन०वाई०टी० उत्तीर्ण अथवा एक या दो वर्षीय, शासकीय मान्यता प्राप्त संस्थान से, प्राकृतिक व योग चिकित्सा पाठ्यक्रम तथा आरोग्य मन्दिर गोरखपुर की एन०डी० परीक्षा उत्तीर्ण।

**विशेष :-** सरकार से मान्यता प्राप्त एवं शासकीय परिषदों में पंज. कृत सभी शासकीय मान्यता पद्धतियों के पंजीकृत स्नातक उपाधिकारी चिकित्सकों ( एम.बी.बी.एस., एम.डी., एम.एस., बी.डी.एस., बी.ए. एम.एस., बी.यू.एम.एस., बी.फार्मा, नर्सिंग डिग्री ) को सीधे द्वितीय वर्ष के पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया जा सकता है। तब यह पाठ्यक्रम मात्र ढाई वर्ष में ही पूरा हो जायेगा। जिन प्रशिक्षार्थियों ने डी०एन०वाई०एस० पाठ्यक्रम में बिना जीव विज्ञान के बारहवीं कक्षा या समकक्ष उत्तीर्ण के आधार पर प्रवेश लिया है उन्हें अनिवार्य रूप से सामान्य विज्ञान की परीक्षा (एक प्रश्न पत्र 100 अंक) उत्तीर्ण करनी होगी। यह परीक्षा द्वितीय वर्ष तक अवश्य उत्तीर्ण करनी होगी अन्यथा तृतीय वर्ष में नहीं बैठने दिया जाएगा।

**4. प्रवेश प्रक्रिया :-** शारीरिक व मानसिक रूप से स्वस्थ ऐसे अभ्यर्थी जिन्होंने 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर ली हो तथा जिस पाठ्यक्रम में प्रवेश लेना चाहते हों उसकी पात्रता व शैक्षिक योग्यता हो उसमें प्रवेश हेतु नामांकन करा सकते हैं। नामांकन आवेदन पत्र एवं विवरणिका कार्यालय या प्रशिक्षण केन्द्र पर सीधे 100 रुपये नगद या 150 रुपये डाक द्वारा भेज कर प्राप्त किये जा सकते हैं। बाहर के अन्य आवेदन पत्र या फोटो कॉपी आदि किसी भी दशा में स्वीकार्य नहीं है। पूरी तरह से भरे हर दृष्टि में पूर्ण आवेदन पत्रों को पूरे संलग्नकों के साथ परिषद संबद्ध केन्द्र में अग्रसारण के बाद सीधे या शिक्षण केन्द्र के माध्यम से (200/- रुपये) प्रत्येक प्रपत्र के नामांकन शुक्ल के साथ पाठ्यक्रम सत्र के पूर्व ही भेजना अनिवार्य है। नामांकन के बाद के दो सत्रों में किसी परीक्षा में सम्मिलित न होने पर नामांकन स्वतः निरस्त हो जायेगा। इस

निरस्त नामांकन को विशेष परिस्थितियों में केवल एक बार अभ्यर्थी के आवेदन पर सौ रुपये शुल्क लेकर नवीनीकृत किया जा सकता है।

**5. प्रशिक्षण विधि :-** सभी शिक्षण केन्द्रों द्वारा परिषद के पाठ्यक्रमों (देखें परिशिष्ट 'अ') के सैद्धान्तिक व व्यावहारिक प्रशिक्षण मार्गदर्शन की व्यवस्था अनिवार्य रूप से करनी होगी जिसमें उस केन्द्र के माध्यम से नामांकित प्रशिक्षार्थियों को अनिवार्य व्यावहारिक प्रशिक्षण नियमित रूप से दिया जायेगा। प्रशिक्षण शुल्क का निर्धारण शिक्षण केन्द्र अपने विवेक एवं परिषद् की स्वीकृति से करेंगे। परिषद द्वारा भी प्रत्येक सत्र में देश के प्रमुख प्राकृतिक व योग चिकित्सालयों में प्राकृतिक एवं योग के ख्याति प्राप्त चिकित्सकों के मार्गदर्शन में साप्ताहिक व पाक्षिक अंतरंग पूर्ण कालिक प्रशिक्षण की योजना है। जिसके माध्यम से प्रशिक्षार्थी को स्वस्थ रहने, बीमारी बचाव व उपचार के विभिन्न पहलुओं का व्यावहारिक ज्ञान कराया जायेगा। इस विशेष कार्यक्रम का केवल वास्तविक व्यय ही प्रशिक्षार्थियों से लिया जायेगा।

**6. परीक्षा आवेदन पत्र :-** प्रत्येक नामांकित प्रशिक्षार्थी को परिषद द्वारा ही निर्धारित व उपलब्ध कराये गये परीक्षा फार्म को उचित शुल्क, शिक्षण केन्द्र के अग्रसरण व समुचित अभिलेखों के साथ पूरी तरह भरकर ही भेजना अनिवार्य है। टाइप व फोटो प्रति फार्म स्वीकार नहीं होंगे। जून में आयोजित हो रही परीक्षाओं हेतु परीक्षा आवेदन पत्र प्रत्येक दृष्टि से पूर्ण कर 31 जनवरी तक तथा दिसम्बर परीक्षा हेतु 31 जुलाई तक ही स्वीकार किए जायेंगे। केवल विशेष परिस्थितियों में प्रार्थना पत्र के साथ दो सौ रुपये (200/- रुपये) विलम्ब शुल्क के साथ आवेदन पत्र परीक्षा में पैंतालीस दिन (45) पूर्व केवल केन्द्रीय परिषद कार्यालय में लाने पर ही स्वीकार किए जा सकते हैं। उपरोक्त तिथियों के पश्चात फार्म स्वतः ही निरस्त माने जायेंगे तथा इस आग्रह के साथ प्रेषित फार्म कि यदि वे विलम्ब से प्राप्त हों तो उन्हें आगामी परीक्षा हेतु स्वीकार कर लें, उन्हें आगामी परीक्षा हेतु लम्बित रखा जा सकता है।

**7. परीक्षा संबंधी विवरण :-** (अ) परीक्षा केन्द्रों का निर्धारण परिषद

स्वयं करती है। परीक्षा केंद्रों पर भेजे गए परीक्षार्थियों को अनिवार्य रूप से उसी केन्द्र परीक्षा में सम्मिलित होने की बाध्यता है। विशेष परिस्थितियों में यदि परीक्षार्थी परिषद द्वारा निर्धारित किसी अन्य परीक्षा केन्द्र से सम्मिलित होने का लिखित आवेदन पत्र केन्द्र परिवर्तन (शुल्क 100 रुपये) व वैकल्पिक केन्द्रों के विवरण के साथ परिषद कार्यालय में परीक्षा के 30 दिन के पूर्व उपलब्ध करा देता है तो उस पर परिषद अपने स्तर पर सहानुभूति पूर्वक विचार कर निर्णय लेगी। परीक्षा के संदर्भ में परिषद् का निर्णय व अनुशासन ही मान्य होगा।

(आ) परीक्षा के प्रत्येक दिन दो पालियों में लिखित परीक्षाएँ होती हैं। पहली पाली प्रातः 9 से 12 बजे व दूसरी पाली दोपहर 2 से 5 बजे के मध्य आयोजित होती है।

(इ) एक शहर/स्थान पर कम से कम 100 परीक्षार्थियों व अधिक की संख्या पर ही एक परीक्षा केन्द्र परिषद व्यवस्थित करेगी। यदि यह संख्या कम होगी तो परीक्षार्थी को दूसरे शहर/जनपद या राज्य में भी परीक्षा के लिए भेजा जायेगा। परिषद अपने विवेक से एक या अधिक परीक्षा केन्द्रों की स्थापना या नियमों में शिथिलता कर सकती है।

(ई) अस्वस्थता के आधार पर परीक्षा में न सम्मिलित हो सके परीक्षार्थियों को अपने चिकित्सा प्रमाण पत्र सहित परीक्षा समाप्ति के 15 दिन के भीतर आवेदन पत्र प्रस्तुत करने पर ही उनके मात्र परीक्षा शुल्क को सुरक्षित कर लिया जायेगा। अन्यथा उनका शुल्क जब्त हो जायेगा। सुरक्षित परीक्षा शुल्क के आधार पर केवल एक सत्र के अन्तराल तक परीक्षा में सम्मिलित होने की अनुमति दी जा सकती है। ऐसे परीक्षार्थियों को एक सादे कागज पर आवेदन करते हुए अपने पूर्व के प्रवेश पत्र को (प्रवेश पत्र की फोटो कापी अपने पास रख लें) 200/- रुपये पुनर्वैद्यता शुल्क के साथ सम्मिलित होने वाली परीक्षा के 90 दिन पूर्व परिषद कार्यालय में उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा।

(उ) केवल सामान्य विज्ञान में अनुत्तीर्ण अभ्यर्थी को प्रत्येक दशा में तृतीय वर्ष के पूर्व सामान्य विज्ञान की परीक्षा में पुनः सम्मिलित होकर

पास कर लेने की छूट दी जा सकती है। इस प्रकार परीक्षार्थी द्वितीय वर्ष के साथ भी उक्त परीक्षा में सम्मिलित हो सकता है।

(ऊ) लिखित परीक्षा के मात्र किसी एक प्रश्न पत्र में ही अनुत्तीर्ण होने पर अभ्यर्थी को आगामी परीक्षा के साथ पूरक परीक्षार्थी के रूप में परीक्षा में बैठने की अनुमति दी जा सकती है। इस हेतु उसे निर्धारित आवेदन पर अन्य अभ्यर्थियों के ही अनुरूप 200/- रुपये पूरक परीक्षा शुल्क के साथ आवेदन करना होगा। अभ्यर्थी निर्धारित शुल्क के साथ परीक्षा परिणाम घोषित होने के 30 दिन के भीतर ही उत्तर पुस्तिकाओं के पुर्नमूल्यांकन के लिए अनुरोध कर सकता है।

(ऋ) मौखिक व प्रयोगात्मक परीक्षा तथा वार्षिक कार्य व शोध प्रबंध शिक्षण का महत्वपूर्ण आवश्यक भाग है। इसलिए इन परीक्षाओं में अनुत्तीर्ण होने पर पूरी सम्बन्धित परीक्षा में ही अनुत्तीर्ण मानलिया जायेगा। इन तीनों परीक्षाओं के सौ-सौ अंक पृथक-पृथक निर्धारित होते हैं।

(ए) शिक्षण-प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में नियमित रूप से न सम्मिलित हुए अभ्यर्थियों को परीक्षा से वंचित रखा जा सकता है।

(ऐ) प्रत्येक लिखित व मौखिक व्यवहारिक परीक्षा में न्यूनतम उत्तीर्ण होने के लिए 50 प्रतिशत अंक निर्धारित हैं। इसे द्वितीय श्रेणी ग्रेड सी में रखा गया है। 60 प्रतिशत से अधिक परन्तु 75 प्रतिशत से कम को प्रथम श्रेणी में ग्रेड बी में तथा 75 प्रतिशत से अधिक को सम्मान सहित उत्तीर्ण या ग्रेड ए में माना जायेगा।

(ओ) अनुत्तीर्ण अभ्यर्थी को आगामी पूरी परीक्षा में निर्धारित नियमों के अनुसार ही सम्मिलित होना होगा। उसे पुनः आवेदन-पत्र व शुल्क आदि भी देने होंगे।

(औ) (क) सी०ई०एन०वाई० (प्रवेश) वार्षिक परीक्षा में केवल 100 अंकों का एक लिखित प्रश्न पत्र होगा।

(ब) सी०एन०वाई०टी० (उपचारक) परीक्षा में 100 अंकों का एक निश्चित प्रश्न पत्र होगा। इसके ही साथ 60 अंकों के व्यावहारिक व भौतिक ज्ञान 20-20 अंक के प्रोजेक्ट कार्य व सत्रीय कार्य के होंगे।

(ग) डी०एन०वाई०एस० के प्रत्येक वर्ष में 100-100 अंकों के

दो लिखित प्रश्न पत्र, 60 अंक की मौखिक, प्रयोगात्मक तथा 20-20 अंक व लघु शोध प्रबन्ध व वार्षिक कार्यो तथा प्राजेक्ट के मूल्यांकन हेतु निर्धारित है।

### 8. शुल्क विवरण :-

प्रोस्पैक्टस एवं विवरणिका शुल्क	100/-
नामांकन शुल्क	200/-
परीक्षा आवेदन पत्र शुल्क	50/-
विलम्ब शुल्क	200/-
पुनः मूल्यांकन शुल्क (प्रति प्रश्न पत्र)	200/-
सामान्य विज्ञान परीक्षा शुल्क	200/-
सी०ई०एन०वाई० (प्रवेश) परीक्षा शुल्क	300/-
सी०एन०वाई०टी० (उपचारक) परीक्षा शुल्क	400/-
डी०एन०वाई०एस० प्रथम वर्ष परीक्षा शुल्क	500/-
डी०एन०वाई०एस० द्वितीय वर्ष परीक्षा शुल्क	600/-
डी०एन०वाई०एस० तृतीय वर्ष परीक्षा शुल्क	700/-
परिषद प्रभा का वार्षिक शुल्क	100/-
अंकपत्र की द्वितीय प्रतिलिपिका शुल्क	200/-
प्रशिक्षण व व्यवहारिक ज्ञान शुल्क	केन्द्रों के विवेकाधीन

एक बार जमा किया शुल्क वापस नहीं किया जा सकता परन्तु यदि कोई अभ्यर्थी अपनी अनुपस्थिति का पर्याप्त कारण परीक्षा के 15 दिन के भीतर परिषद को लिखित रूप से प्रस्तुत करता है तो उसका शुल्क मात्र आगामी परीक्षा के लिए ही सुरक्षित किया जा सकता है। इस संदर्भ में परिषद द्वारा लिया गया निर्णय अंतिम एवं स्वीकार्य होगा।

**9. प्रमाण पत्र को निर्गत करना :-** निर्धारित नियमों के अनुरूप प्रशिक्षण आदि में सम्मिलित हो तत्संबंधी परीक्षाओं व समस्त औपचारिकताओं की पूर्ति के बाद ही परिषद द्वारा उचित प्रमाण-पत्र निर्गत किये जायेंगे। डी०एन०वाई०एस० तृतीय वर्ष की पूरी परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद अभ्यर्थी को परिषद द्वारा निर्धारित व स्वीकृत पूर्ण अंतःरोगी विभाग युक्त प्राकृतिक व योग चिकित्सालय में छह माह का पूर्णकालिक प्रत्यक्ष कार्याभ्यास करना होगा। कार्याभ्यास को सफलता पूर्वक पूर्ण करने के उपरान्त प्रमाण-पत्र प्राप्त करने हेतु परिषद द्वारा निर्गत आवेदन

पत्र को उसमें दिए गये निर्देशों के अनुसार भरकर रोगी उपचार पत्रक, लघुशोध प्रबन्ध (सौ पृष्ठ का न्यूनतम) तथा आवश्यक अग्रसारण व सौ रुपये प्रमाण-पत्र शुल्क सहित परिषद कार्यालय में जमा करना होगा। परिषद विधिवत् पूर्ण आवेदन प्राप्त होने के बाद कार्यालय में आयोजित साक्षात्कार में सफल होने तथा प्राकृतिक चिकित्सा के प्रति समर्पण की भावना व्यक्त करने के शपथपत्र के प्राप्त होने के उपरान्त ही प्रशिक्षार्थी को समुचित प्रमाण-पत्र निर्गत किया जायेगा।

10. प्रशिक्षित अभ्यर्थी अपने द्वारा की गई अनुचित गतिविधियों के प्रति स्वयं जिम्मेदार होंगे। परिषद को अपने निर्णयों, नियमों आदि को बदलने व संशोधन करने का पूर्ण अधिकार है। न्यायिक विवाद की दशा में दिल्ली का ही क्षेत्राधिकार होगा।

**परिशिष्ट (अ) विवरणिका के बिन्दु छह के अनुसार पाठ्यक्रम**

### **(क) सी०ई०एन०वाई० (प्रवेश)**

**केवल एक प्रश्न पत्र पूर्णांक 100, समय : 3:00 घंटे**

1. प्राकृतिक चिकित्सा का इतिहास।
2. प्रकृति और स्वास्थ्य
3. गांधी जी और प्राकृतिक चिकित्सा।
4. पंचतत्व—मिट्टी, पानी, हवा, सूर्य, आकाश।
5. प्राकृतिक चिकित्सा और रामनाम
6. विजातीय द्रव्य—क्या हैं? उत्पत्ति कैसे? शरीर पर इनका दुष्प्रभाव।
7. अपक्वाहार—विधि एवं महत्व।
8. व्यसन एवं रोग—अनुचित आहार—विहार से रोगों की उत्पत्ति।
9. तीव्र एवं जीर्ण रोग — परिभाषा एवं पहचान।
10. (अ) **षट्कर्म, योगासन एवं प्राणायाम।**  
(ब) **आसन** — कटिचक्रासन, ताड़ासन, कोणासन, पदमासन, पश्चिमोतासन, अर्धमत्सेन्द्रासन, गोमुखासन, वज्रासन, चक्रासन, पवनमुक्तासन, उतान पादासन, श्वासन, मतस्यासन, भुजंगासन, धनुरासन, शलभासन, नौकासन, सूर्यनमस्कार, त्राटक एवं सूक्ष्म व्यायाम।

(स) प्राणायाम – शीतली, उज्जयी, अनुलोम-विलोम, भस्तिका, भ्रामरी, शीतकारी, सूर्यभेदी।

## (ख)–(एक) सी०एन०वाई०टी० (उपचारक)

पूर्णांक : 100, समय : 3 घंटे

1. प्राकृतिक चिकित्सा का इतिहास: परिभाषा एवं सिद्धान्त।
2. सूर्य अणि चिकित्सा:  
(अ) इतिहास, परिचय एवं सिद्धान्त (ब) विभिन्न रंगों का उपयोग तथा निषेधा। (स) पानी, हवा, तेल, खांड, ग्लिसरीन, दूध इत्यादि को निरूपित करने की विधि।
3. मिट्टी चिकित्सा: (अ) विभिन्न रोगों में मिट्टी का उपयोग।  
(ब) मिट्टी के प्रकार—काली मिट्टी, पीली मिट्टी, दोमट मिट्टी, लाल मिट्टी, गंगोटी मिट्टी, मुल्लानी मिट्टी, दीमक की मिट्टी एवं रेत।
4. जल चिकित्सा:  
(अ) जल के बाह्य प्रयोग के बाह्य प्रयोग—सामान्य सम्पूर्ण स्नान, पाद स्नान, कटि स्नान, मेहन स्नान, धरापात, पफौब्वारा, जेट प्रेशर, नदी स्नान, समुद्री स्नान।  
(ब) जल के आंतरिक प्रयोग—कुल्ला, कर्णस्नान, जलनेति, कुंजल, शंखप्रक्षालन, एनीमा।  
(स) पानी की पट्टियां एवं लपेट-स्थानीय एवं सर्वांग।
5. आकाश चिकित्सा  
(अ) उपवास विधि एवं लाभ। (ब) उपवास के चिकित्सकीय प्रयोग।  
(स) उपवास तोड़ते समय सावधानियां। (द) निद्रा एवं शिथिलीकरण ॥ (ल) जीवनी शक्ति एवं उभार।
6. मालिश : (क) मालिश के प्रकार।  
(ख) मालिश कर्ता के गुण।  
(ग) विभिन्न रोगों में उपयोगिता एवं निषेधा।
7. आहार चिकित्सा : (क) सलाद, अंकुरित, रसाहार एवं फलाहार।  
(ख) श्वेत विष—चीनी, मैदा, वनस्पति घी।
8. मानव शरीर : (क) सामान्य रचना एवं कार्यविधि—सामान्य ज्ञान।  
(ख) सूक्ष्म शरीर।

## 9. स्वास्थ्य एवं प्रकृति

(क) प्रदूषण—जल, वायु, ध्वनि।

(ख) रसायनों का दुष्प्रभाव।

(ग) वनस्पति जगत की मानव अस्तित्व के लिए उपयोगिता।

## 10. विभिन्न रोग एवं सामान्य प्राकृतिक चिकित्सा:

कब्ज, दमा, गठिया, अनिद्रा, रक्तचाप (उच्च एवं निम्न), मोटापा, शुगर, मानसिक तनाव, सर्वाइकल एवं लम्बर स्पांडिलाइटिस, पीलिया, सर्दी-जुकाम, बुखार, नकसीर फूटना, लू लगना एवं रक्त विहार।  
प्राथमिक उपचार—

भौतिक व प्रयोगात्मक परीक्षा 60 अंक, वार्षिक कार्य 20 अंक, प्रोजेक्ट कार्य 20 अंक

## ( ग )—( एक ) डी०एन०वाई०एस० ( प्रथमवर्ष )

(अ) प्रथम प्रश्न पत्र, पूर्णांक : 100, समय : 3 घंटे

(क) नैसर्गिक स्वास्थ्य सिद्धान्त एवं जन-स्वास्थ्य

1. रोगों से बचाव के उद्देश्य एवं मूलभूत सिद्धान्त।

2. शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक स्वास्थ्य का विकास।

3. सामुदायिक स्वास्थ्य विज्ञान।

(क) पर्यावरण आरोग्य विज्ञान (ख) जल आपूर्ति

(ग) आहार सम्बन्धी स्वास्थ्य नियम

4. व्यक्तिगत आरोग्य नियम, सूर्य स्नान, बड़ी आंत का स्वास्थ्य नियम, विश्राम, नींद, व्यक्तिगत साफ-सफाई, खाने-पीने सम्बन्धी स्वास्थ्य सिद्धान्त।

5. स्कूल आरोग्य नियम।

6. दिनचर्या एवं ऋतुचर्या।

7. स्वास्थ्य नाशक आदतें—पान, धूम्रपान, चाय, कॉफी, शराब।

(ख) प्राथमिक उपचार

1. दुर्घना सम्बन्धी अवस्था।

2. रक्तस्राव को रोकना।

3. टूटी हड्डी को जोड़ने वाली लकड़ी के खंपची (इसलिन्ट) के प्रकार।

4. फ्रैक्चर (हड्डी टूटना) एवं इसकी सामान्य व्यवस्था।

5. बैंडेज (घाव पर पट्टी बांधना) के प्रकार।

6. एक डॉक्टर के कर्तव्य।
7. जलने पर प्राथमिक उपचार।
8. जल में डूबना।
9. हृदयाघात

**( ग ) रोग-विज्ञान का सामान्य अध्ययन**

1. रूग्ण-कोशिका का अध्ययन, उत्तक के कार्य।
2. शोध-कारण, रोगाणुओं का पनपना, रक्तवाहिकाओं विषयक घटना, कोशिकीय प्रतिउत्तर।
3. गैंग्रीन-शुष्क, गीला एवं गैस।
4. पुननिर्माण उत्प्रेरक तत्व।
5. स्थानीय कोशिकी या उत्तकीय मृत्यु (नेक्रोसिस)।
6. कैसर कारक तत्व, सरल एवं घातक ट्यूमर में अन्तर।
7. पाचन संस्थान से सम्बन्धित रोग : पौष्टिक व्रण या अल्सर जठरशोध, कब्ज (कोष्ठबद्धता), दस्त, पाण्डु रोग (पीलिया), यकृत सिरोसिस, जलोदर, अमीबियोसिस, बृहदान्त्र शोध या अल्सरेटिव कोलाइटिस।
8. हृदय परिसंचरण से सम्बन्धित रोग : रूमेटिक ज्वर, हृदय के जन्मजात रोग, हृदयपात, अपस्फीत या कुटिल शिराएं उच्च रक्तचाप, निम्न रक्तचाप।
9. श्वसन से सम्बन्धित रोग :- साइनस (वायुविवरशोध), दमा (अस्थमा), श्वसनीशोध, वातस्फीति, श्वासनीविस्फार, निमोनिया, यक्ष्मा (टी. बी.)।
10. अन्तःस्त्रावी से सम्बन्धित रोग :- मधुमेह, अतिपीयूषता, अल्पपीयूषता, अतिथाइराइडरक्तता, अल्पथाइराइडरक्तता।

**ग-( दो ) डी०एन०वाई०एस० ( प्रथम वर्ष )**

( ब ) द्वितीय प्रश्न पत्र, पूर्णांक : 100, समय : 3 घंटे

( क ) शरीर क्रिया विज्ञान

1. अस्थियां एवं उनके कार्य।
2. अस्थिपंजर मांसपेशियां, हृदय मांसपेशियां, आंत-संबंधी मांसपेशियां एवं इनके कार्य।
3. रक्त लसिका एवं इनके कार्य।

4. प्लीहा (तिल्ली) एवं इसके कार्य।
5. पाचन तंत्र :- लार ग्रंथियां, पाचक रस, अग्नाशय रस, पित्त रस, अवशोषण एवं आत्मसातीकरण।
6. उत्सर्जन तंत्र :- गुर्दा एवं इसके कार्य
7. श्वसन तंत्र :- श्वसन, रक्त में ऑक्सीजन का पहुंचना।
8. केन्द्रीय स्नायु तंत्र :- मस्तिष्क एवं इसके कार्य, स्नायु एवं इसके कार्य, स्वसंचालित तन्त्रिका-तंत्र एवं इसके कार्य।
9. परिसंचरण तंत्र :- हृदय एवं इसके कार्य, फुफ्फुस परिसंचरण, परिसंचरण, प्रतिहारी परिसंचरण।
10. ज्ञानेन्द्रियां एवं इसके कार्य :- नेत्र, कान, नाक, त्वचा एवं जिह्वा।
11. अन्तःस्त्रावी अंग :- पीयूष ग्रन्थि, अवटु या थायरॉइड ग्रन्थि, थायमस ग्रन्थि, अग्नाशय, अधिवृक्क ग्रन्थि एवं जनन ग्रंथियां।

### (ख) शरीर-रचना विज्ञान

1. कोशिका संरचना एवं शरीर के विभिन्न उतक।
2. अस्थियां एवं शरीर के विभिन्न भागों से इनका सम्बन्ध।
3. पैर, हाथ, धड़, चेहरा एवं आंख की मांसपेशियां।
4. प्रमुख संधियाँ।
5. पाचन तंत्र :- मुख, ग्रासनली, आमाशय, छोटी आंत, बड़ी आंत, मालाशय, यकृत, अग्नाशय।
6. प्रजनन तंत्र :- पुरुष एवं स्त्री जननांग।
7. श्वसन तंत्र :- नासिका, ग्रसनी, श्वासप्रणाली, फेफड़ा।
8. परिसंचरण तंत्र :- हृदय, रक्त वाहिकाएं एवं लसीका तंत्र।
9. तन्त्रिका तंत्र : स्वसंचालित तन्त्रिका, मस्तिष्क, मेरूदण्ड (सुषुम्ना), कपालीय तन्त्रिकाएं।
10. विशेष ज्ञानेन्द्रियां :- जिह्वा, नाक, आंख, कान एवं त्वचा।
11. अन्तःस्त्रावी तंत्र :- पिनियल ग्रन्थि, पीयूष ग्रन्थि, थायमस, अवटु या थाइरॉयड ग्रन्थि, परावटु या पैराथायरायड ग्रन्थियां अधिवृक्क ग्रन्थि, अग्नाशय एवं जनन ग्रन्थियां।
12. उत्सर्जन तंत्र :- वृक्क, मूलनलियां या गवीनियां, मूत्राशय, मूत्र-मार्ग।

- (ग) मौखिक परीक्षा :- पूर्णांक 60 अंक  
प्रयोगात्मक परीक्षा :- पूर्णांक 20 अंक  
लघु शोध प्रबन्ध/वार्षिक प्रोजेक्ट वर्क-पूर्णांक 20 अंक

**( ग )-( दो ) डी०एन०वाई०एस० ( द्वितीय वर्ष )**

(अ) प्रथम प्रश्न पत्र, पूर्णांक : 100, समय : 3 घंटे

(क) प्राकृतिक चिकित्सा के मूलभूत तत्व

1. प्राकृतिक चिकित्सा का इतिहास व सिद्धान्त।
2. प्राकृतिक चिकित्सा सम्बन्धी गांधी दर्शन।
3. पंचतंत्र एवं प्रकृति के नियम।
4. प्राकृतिक चिकित्सा की विधियां, सुरक्षा व महत्व, सामान्य स्वास्थ्य, आदतें, व्यायाम, उपवास, प्राकृतिक आहार, विश्राम एवं शिथिलीकरण आदि।
5. रोगों से प्राकृतिक रोध कैसे प्राप्त किया जा सकता है।
6. उपचार के उभार एवं रोग उभार।
7. विष एवं प्रतिविष एवं उसका विलोपन।
8. रोगों को दबाना एवं इसका प्रतिफल।
9. सहज मानसिक अवस्था का महत्व।
10. टीकाकरण एवं इसके दुष्प्रभाव।

(ख) मुखाकृति विज्ञान

1. विजातीय द्रव्य सिद्धान्त-परिभाषा एवं विजातीय द्रव्यों का निर्माण II
2. विजातीय द्रव्यों का संग्रह, द्रव, ठोस, सूखा एवं गैस रूम में।
3. बुरी आदतें एवं विजातीय द्रव्यों का संग्रह।
4. अवरोध-प्रकार एवं सुझाव।
5. विजातीय द्रव्यों का निष्कासन एवं जीवनी शक्ति की वृद्धि।

**डी०एन०वाई०एस० ( द्वितीय वर्ष )**

(ब) द्वितीय प्रश्न पत्र, पूर्णांक : 100, समय : 3 घंटे

(क) जल चिकित्सा

1. जल के भौतिक गुण।
2. जल चिकित्सा के सिद्धान्त।

3. त्वचा, श्वसन, पाचन, क्रिया एवं प्रतिक्रिया पर शरीर क्रिया विज्ञान की दृष्टि से जल का असर।
4. जल चिकित्सा का वर्गीकरण—प्राथमिक व उत्तेजक प्रभाव।
5. आन्तरिक उत्तेजना।
6. सामान्य एवं स्थानीय शामक प्रभाव।
7. द्वितीय उत्तेजक प्रभाव
  - (क) पुष्टिकर प्रभाव।
  - (ख) स्वास्थ्यवर्धक प्रभाव।
  - (ग) कफनाशक प्रभाव।
  - (घ) परिणामी एवं साधित प्रभाव।
8. जल चिकित्सा की विधियां — (क) जलपान (ख) जलाभिषेक (ग) जल क्रिया—नासिक, पेट, बड़ी आंत, मलाशय में जल प्रक्षालन। (घ) डूश—घाव का डूश, मेरूदण्ड डूश, एकांतर डूश (ङ) पट्टी या पैक—छाती पट्टी, धड़ पट्टी, पैट्रिक पैक, टी-पैक, पैरों की पट्टी, स्थानीय पट्टी, गीली पूर्ण पट्टी। (च) स्नान—कमर स्नान, मेरूदण्ड स्नान, स्टिज स्नान, पाद स्नान, इमरसन बाथ। (छ) वाष्प स्नान, स्टीम बाथ, वायु स्नान। (ज) बर्फ उपचार।

### (ख) मिट्टी चिकित्सा

1. मिट्टी के भेद।
2. मिट्टी के गुण एवं संग्रह।
3. मिट्टी की पुल्टिस।
4. सामान्य एवं स्थानीय मिट्टी प्रयोग।
5. शारीरिक क्रियात्मक एवं रोग निदान प्रभाव एवं प्रति प्रभाव।

### (ग) रंग चिकित्सा

1. रंग के प्रकार—प्राथमिक एवं द्वितीयक
2. रंग के सिद्धान्त एवं दर्शन।
3. रंग से स्वास्थ्य।
4. शरीर क्रिया विज्ञान में रंगों का उपयोग—बैंगनी, नीला, आसमानी, हरा, पीला एवं लाल अवरक्त लाल एवं पराबैंगनी।

5. रंगों से उर्जावान करना—हवा, जल, भोज्य पदार्थ, ग्लिसरीन, वेसलीन, खांड, दूध, गुलाब जल आदि।
  6. रंग चिकित्सा की सीमाएं।
- ( स ) **मौखिक परीक्षा** : पूर्णांक 60 अंक  
**प्रयोगात्मक परीक्षा** : पूर्णांक 20 अंक  
**लघु शोध प्रबन्ध/व्यौहारिक प्रोजेक्ट वर्क**—पूर्णांक 20 अंक

## ग—( तीन ) डी०एन०वाई०एस० ( तृतीय वर्ष )

( अ ) प्रथम प्रश्न पत्र, पूर्णांक : 100, समय : 3 घंटे

### ( क ) योग

1. योग : परिभाषा, मूलभूत सिद्धान्त, उद्देश्य
2. विभिन्न योग : राज योग, भक्ति योग, हठ योग, ज्ञान योग, लय योग, कर्म योग, तंत्र योग।
3. योग के मूल सिद्धान्त—योग सूत्र, योग के आठ सूत्र (अष्टांग योग)।
4. शरीर के विभिन्न तंत्रों पर विभिन्न योगासनों का प्रभाव।
5. आसन के विभिन्न प्रभाव, प्राणायाम, मुद्रा, बंधे एवं क्रिया।
6. यौगिक एवं गैर-यौगिक व्यायाम में अन्तर।
7. योग एवं मानसिक स्वास्थ्य।
8. सूर्य नमस्कार।
9. ध्यान।

### ( ख ) उपवास

1. उपवास की परिभाषा।
2. उपवास एवं भुखमरी में अंतर।
3. उपवास के प्रकार—लघु उपवास, सविराम उपवास एवं दीर्घ उपवास।
4. उपवास के शरीर क्रियात्मक प्रभाव।
5. उपवास कैसे आरंभ करें, कैसे उपवास का पालन करें एवं उपवास को कैसे तोड़ें।
6. उपवास काल में इलाज।
7. उपवास काल में उभार एवं इसकी चिकित्सा।

8. उपवास की विधि : पूर्ण उपवास, आंशिक उपवास, जल उपवास, रस उपवास, लवणीय उपवास, फल उपवास, एकल आहार उपवास।

**( ग ) पोषण एवं आहार विज्ञान**

1. आहार एवं पेय का वर्गीकरण।
2. आहार तत्व की कमी से होने वाली बीमारियां।
3. कृत्रिम आहार एवं इसके दुष्प्रभाव।
4. पाचन, अवशोषण एवं आत्मसातीकरण।
5. खान-पान का तौर-तरीका।
6. अम्लीय एवं क्षारीय भोजन।
7. आहार का महत्त्व कच्चा रूप, अंकुरित रूप एवं पक्वाहार रूप में।
8. क्या खाना चाहिए, कैसे खाना चाहिए एवं कितना खाना चाहिए।
9. पोषण एवं इसका महत्व।
10. पोषण एवं छूत रोग में प्राकृतिक प्रतिरोध।
11. आहार का संयोजन
12. सन्तुलित आहार।

**( घ ) हस्तकला चिकित्सा**

1. मालिश के सिद्धान्त।
2. मालिश का शरीर क्रिया विज्ञानी प्रभाव-त्वचा, मांपेशियों परिसंचरण तंत्र, पाचन तंत्र एवं तन्त्रिका तंत्र पर।
3. मालिश कला।
4. मालिश का उपचारी प्रयोग।
5. एक्युप्रेसर के सिद्धान्त, प्वाइंट्स एवं इसकी प्रयोग विधि एवं सीमाएं।

**डी०एन०वाई०एस० ( तृतीय वर्ष )**

- ( ब ) द्वितीय प्रश्न पत्र, पूर्णांक : 100, समय : 3 घंटे
- ( क ) बीमारियां एवं उनका प्राकृतिक निदान व उपचार तथा क्लिनिक एवं अस्पताल का प्रबन्धन।
- ( ख ) प्रसव विज्ञान एवं स्त्री रोग विज्ञान
1. जनन अंगों की आन्तरिक संरचना एवं शरीर क्रिया विज्ञान।

2. अंडाशयी एवं गर्भाशयी चक्र
3. मासिक चक्र की अनियमितता
4. सामान्य बीमारियां एवं रजित रोग
5. गर्भाधान में शरीर क्रिया विज्ञान
6. भ्रूण एवं अपरा का विकास
7. सामान्य एवं असामान्य प्रसव
8. जन्म से पूर्व जन्म के पश्चात देख-रेख
9. माता एवं नवजात शिशु की देखभाल

( ग ) मौखिक परीक्षा :	पूर्णांक 60 अंक
( घ ) प्रयोगात्मक परीक्षा :	पूर्णांक 20 अंक
( ङ ) लघु शोध प्रबन्ध/वार्षिक प्रोजेक्ट कार्य आदि :	पूर्णांक 20 अंक

## **सामान्य विज्ञान**

( जीव विज्ञान का अध्ययन न किए छात्रों हेतु )

केवल एक प्रश्न पत्र, पूर्णांक : 100, समय : 3 घंटे

### 1. उत्पत्ति, विकास एवं सामुदायिक जीवन :-

अनुवांशिक एवं भिन्नता, परिचय, मेंडल का मटर के साथ प्रयोग एवं फैक्टर तत्व, मेंडल का अनुवांशिकी का नियम, जीन, अस्पष्ट केन्द्रक वाले सूक्ष्म जीवों में अनुवांशिकी पदार्थ, जीवाणु गुणसूत्र, प्लास्मिड एवं स्पष्ट केन्द्रक वाले गुणसूत्र कोशिक विभाजन, कोशिका, कोशिका चक्र, समसूत्री विभाजन, अर्द्धसूत्री विभाजन, लिंग एवं सेक्स, जीन परिवर्तन जीन अभिव्यक्ति, जेनेटिक कोड।

जीवों की उत्पत्ति, सजीव एवं निर्जीव, सजीवों का आपसी संबंध एवं इसके प्रमाण, जैविक क्रियाओं के सामान्य गुण-ऊर्जा रूप परिवर्तन, जेनेटिक कोड, प्रोटीन संश्लेषण विधि, जीवाश्म प्रमाण एवं भूगर्भशास्त्रीय समय पैमाना बाह्य स्वरूप शास्त्रीय प्रमाण-समरूपता अवशिष्ट अंग, भ्रूणीय समानता।

डार्विन के दो महत्वपूर्ण योगदान, सजीव प्राणियों का सर्वमान्य उत्पत्ति एवं परिवर्तन के स्रोत के रूप में रिकाम्बिनेशन, परिवर्तन पर चुनावी

अवस्था, अनुकूलता (लेडरवर्ग का रफ्लिका प्लेटिंग प्रयोग-बैक्टीरिया के म्यूटैन्ट के लिए अप्रत्यक्ष चुनाव प्रजननीय विच्छेद, स्पेसिएशन के किसी जनसंख्या के अनुवांशिकीय संरचना में चुनावी परिवर्तन एवं डिफ्ट का योगदान, चयनित उदाहरण, औद्योगिक, खिन्नता, ड्रग प्रति. रोधा, उपहास, जी 6, पी डी कमी का मलेरिया से संबंध सिकल सेल बीमारी, मानव विकास, जीवाश्म विज्ञानी प्रमाण, स्तनपायी जन्तुओं में मानव का स्थान, ड्रायोगपीथेकस एवं आस्ट्रोलोपीथेकस, होमो इरेक्टस, होमो मिण्डरथेलनेसिसिस का संक्षिप्त विवरण, क्रोमैगनान मनुष्य एवं विभिन्न संतति समूहों में एकरूपता समरूप उत्पत्ति को सिद्ध करने के लिए गैर मानवीय प्रामेट्स के गुणसूत्र में तुलना सांस्कृतिक एवं जीव विज्ञान विकास।

## 2. जन्तुशास्त्र का मूलभूत ज्ञान :-

**जन्तु ऊतक :** उपकला ऊतक, संयोजी, पेशी, तंत्रिका, जन्तु पोषण पाचन के अंग एवं पाचन की विधि, कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन वसा, खनिज एवं विटामिन की आवश्यकता, पोषण असंतुलन एवं इनकी कमी से उत्पन्न बीमारियां, गैसीय आदान-प्रदान एवं परिवहन फुफ्फुसीय गैस आदान-प्रदान एवं शामिल अंग, रक्त में गैस का परिवहन, हृदय की संरचना एवं संकुचन, धमनीय रक्त दाब, लसिका, उत्सर्जन, ओसमोरेगुलेशन, एमिनो. टेलिज्म, यूरिकोटेलिज्म, जल एवं यूरिया का उत्सर्जन मनुष्य के संदर्भ में, प्लाज्मा विनियमन में गुर्दे की भूमिका, वृक्काणु संरचना के आधार पर रसाकर्षण, त्वचा और फेफड़े से उत्सर्जन, अन्तःस्रावी संयोजन, स्तनधारी में अन्तःस्राव, हारमोन (अन्तःस्राव) की भूमिका -संदेशवाहक एवं नियन्त्रक के रूप में तन्त्रिका समायोजन केन्द्रीय स्वायत्त या स्वसंचालित एवं परिसरीय तन्त्रिका तन्त्र, ग्राहक, इफेक्टर्स, प्रतिवर्ती क्रिया विज्ञान, स्नायुविक अन्तःस्रावी तन्त्र का एकीकृत नियन्त्रण, गति, सन्धि, पेशीय गति, गति के भेद के आधार पर कंकालीय मांसपेशी के प्रकार, मनुष्य कंकाल का सामान्य ज्ञान, प्रजनन, मानव प्रजनन, स्त्री प्रजनन चक्र, स्तनपायी में भ्रूणीय विकास (तीन जर्म परत तक) विकास, सुधार एवं वृद्ध होना।

### 3. वनस्पति शास्त्र का सामान्य ज्ञान :-

परिचय, वनस्पतियों और जन्तुओं में बहुकोशीय जीवन पद्धति, वनस्पतियों और जन्तुओं में सामान्य संरचना एवं क्रिया पोषण के प्रकार, घुल्य एवं जल का वनस्पतियों में संवहन, प्रकाश संश्लेषण, प्रकाश रासायनिक एवं जैव संश्लेषण के विभिन्न चरण, वनस्पतियों में प्रजनन एवं विकास, पादप प्रजनन के मुख्य प्रकार अलैंगिक एवं लैंगिक, बहुकोशिक लघु पादपों में लैंगिक प्रजनन का संक्षिप्त विवरण, गर्भाधान एवं एन्डेस्पर्म का विकास, भ्रूण, बीज एवं फल, क्रमिक अंग विकास एवं अंग निर्माण, विकास एवं पादप गति का सामान्य अध्ययन।

### 4. रसायनशास्त्र का मूलभूत ज्ञान :-

( 1 ) परमाणु, अणु एवं रासायनिक अंकगणित : रसायन शास्त्र में माप (महत्वपूर्ण संकेत, एस०आई० ईकाई, परिमाणीय विश्लेषण) पदार्थ का रासायनिक वर्गीकरण (मिश्रण, यौगिक एवं तत्व एवं शुद्धिकरण) का रासायनिक संयोजन का नियम एवं तत्व एवं शुद्धिकरण। रासायनिक संयोजन का नियम एवं डाल्टन का परमाणु सिद्धान्त, परमाणविक पिंड (मोल सिद्धान्त, रसायनिक सूत्र का निर्धारण) रसायनिक समीकरण, रसायनिक समीकरण की तुल्यता एवं रसायनिक समीकरण का गणनात्मक अध्ययन।

( 2 ) तत्व, प्राप्ति स्थान एवं निष्कासन : तत्व का मूल स्रोत पृथ्वी, जीव विज्ञान के तत्व, समुद्र में तत्व, धातु का निष्कासन (धातु. कर्मीय विधि, सान्द्र अयस्क का निर्माण, धातु का निर्माण एवं शुद्धिकरण) भारत की खनिज सम्पदा धातु की गुणात्मक जांच।

( 3 ) कार्बन एवं इसके यौगिक :- तात्विक कार्बन, कार्बन के यौगिक के अकार्बनिक यौगिक (कार्बन के आक्साइड्स, हैलाइड्स, कार्बाइड्स) कार्बनिक यौगिक। कार्बनिक यौगिक का नामकरण, (हाईड्रोकार्बन्स, क्रियाशील समूह) कुछ सामान्य कार्बनिक यौगिक (एल्व. नेन, एल्कीन, उलकाइन, अल्कोहन्स, एल्डीहाइड, कीटोन्स, हैलाइड्स, अमल, नाइट्रो यौगिक एवं एमीन्स)।

( 4 ) अधातु का रसायनशास्त्र :- (हाइड्रोजन, आक्सीजन एवं नाईट्रोजन), हाईड्रोजन (आवर्त सारिणी में स्थान, प्राप्तिस्थान, समस्थानिक

गुण, क्रियाशीलता एवं उपयोग)आक्सीजन (प्राप्तिस्थान निर्माण गुण एवं क्रियाशीलता उपयोग)।

( 5 ) कार्बनिक यौगिक का शुद्धिकरण और गुण:-शुद्धिकरण (क्रिस्टलाइजेशन, सबलिमेशन, आसवीकरण डिरेंशियल निष्कासन, का. मैटोग्राफी) गुणात्मक विश्लेषण (नाईट्रोजन, सल्फर, फासफोरस एवं हैलोजन का विश्लेषण।

**जीवन का अणु :-** कोशिका, कार्बोहाइड्रेट्स (मोनोसेकेराइड्स डाइसेकेराइड्स एवं पालीसेकेराइड्स)। प्रोटीन (एमिनो अम्ल, पेप्टाइड बांड, प्रोटीन की संरचना प्रोटीन का तृतीयात्मक रचना एवं डीनेचुरेशन, एन्जाइम)। न्यूक्लिक अम्ल (संरचना दोहा वलय, न्यूक्लिक अम्ल का जैविक कार्य) लिपिड्स।

( 6 ) परमाणु संरचना एवं रसायनिक बंधन : परमाणु पदार्थ का दोहरा प्रकृति एवं विकिरण अनिश्चितता का सिद्धान्त कक्षा एवं क्वांटम नम्बर, कक्षा का आकार, परमाणु का इलेक्ट्रानिक संरचना। अणु: आणविक कक्षा विधि संकरीकरण, डाइपोल मोमेंट एवं अणु की संरचना।

( 7 ) सालिड स्टेट : साधारण आयनिक यौगिक की संरचना, क्लोज-पैक रचना, आयनिक व्यास, सिलिकेट्स (साधारण ज्ञान)। सा. लिड में अपूर्णता (बिन्दु दोष मात्र) सालिड के गुण अमभिण सालिड्स गैसीय अवस्था, आदर्श गैस समीकरण-काइनेटिक सिद्धान्त (मूलभूत सिद्धान्त मात्र)।

( 8 ) घोल : घोल के प्रकार, घोल का वाष्प दबाव एवं राल्ट का नियम, कॉलिगेटिव गुण, गैर आदर्श घोल एवं विषम आणविक पिण्ड, मोल, सिद्धन्त, स्टोइकेमिस्ट्री, आयतनिक विश्लेषण।

( 9 ) जैविक अणु : कार्बोहाइड्रेट्स, मोनोसेकेराइड्स, डाइसेकेराइड्स, पालीसेकेराइड्स, एमिनो अम्ल एवं पेप्टाइड्स संरचना एवं वर्गीकरण, प्रोटीन एवं एन्जाइम्स, न्यूक्लिक अम्ल, डी.एन.ए. एवं आर.एन.ए. न्यूक्लिक अम्ल का जैविक कार्य, प्रोटीन संश्लेषण एवं निर्माण, लिपिड्स संरचना, झिल्ली एवं उसके कार्य।

( 10 ) जैविक प्रक्रिया का रसायन शास्त्र : कार्बोहाइड्रेट्स एवं

उपापच्य हिमोग्लोबीन, रक्त एवं श्वसन, प्रतिरोधी तंत्र, प्रतिरोधी तंत्र, विटामिन एवं हारमोन, रासायनिक निकास का सामान्य अध्ययन।

### 5. भौतिक का सामान्य ज्ञान :-

(क) परिचय माप-तौल : भौतिकी क्या है? भौतिकी की संभावनाएं भौतिकी का विज्ञान से सम्बन्ध, समाज एवं तकनीकी माप-तौल की आवश्यकता, माप-तौल की इकाई की विधि, एस.आई.मूल की व्युत्पत्ति इकाई परिणाम एवं इसके प्रयोग मात्रा के प्रकार।

(ख) गति का नियम : बल एवं जड़त्व, गति का प्रथम नियम, वेग गति का द्वितीय नियम, आवेश, प्रकृति में बल के प्रकार, गति का तृतीय नियम, वेग का संरक्षण, राकेट भेदना, एकीकृत बल का संतुलन, स्थितिज एवं घर्षण का नियम, गतिज घर्षण, स्निग्धीकरण।

(ग) गुरुत्वाकर्षण : गुरुत्व के कारण त्वरण, गुरुत्व के अधीन एक परिमाणीय गति, गुरुत्व के अधीन दो परिमाणीय गति, गुरुत्वाकर्षण के नियम, जड़त्व एवं गुरुत्वाकर्षणीय पिंड, पृथ्वी के गुरुत्वीय विभव, इस्केप गति।

(घ) तरंग : तरंग गति, तरंग गति की चाल, उच्च स्थान का सिद्धान्त, तरंग का परिवर्तन, हारमोनिक तरंग (मात्र गुणात्मक वर्णन)।

(च) इलेक्ट्रॉन्स एवं प्रोटोन्स : इलेक्ट्रान का आविष्कार, इलेक्ट्रान के लिए ई/एम, गैसों में विद्युतीय संवहन, प्रकाश का कण स्वभाव, आईस्टीन प्रकाश विद्युतीय समीकरण प्रकाश बैटरी।

(छ) परमाणु, अणु एवं केन्द्रक : परमाणु का रदरफोर्ड, माडल, बोर मॉडल, ऊर्जा क्वाटीकरण, हाइड्रोजन स्पेक्ट्रम, केन्द्रक की संरचना, परमाणिक पिंड, समस्थानिक, केन्द्रक का आकार, रेडियो विकिरण, पिंड ऊर्जा सम्बन्ध, केन्द्रकीय फिजन एवं फ्यूजन, न्यूक्लियर प्रलय।

(ज) सालिड्स एवं सेमीकण्डक्टर प्रकल्पल : क्रिस्टल संरचना, इकाई बैटरी, एकल पाली एवं तरल क्रिस्टल (केवल सिद्धान्त) सालिड्स में ऊर्जा पट्टी चालक, कुचालक एवं उर्द्धचालक, पी.एन. संधि ट्रांजिस्टर एक विस्तारक एवं दोलक के रूप में, लाजिक गेट एवं गेट का संयोजन।

# ***Educational Programmes***

**1. Purpose :-** Different educational programmes are designed with the aim of disseminating the scientific knowledge of Nature Cure & Yoga Therapy through the educated people. Parishad plans to promote Nature Cure & Yoga all over the world promoting Gandhian thought of better health for the last layer of the society. In order to translate this into action an educational programme has been envisaged as detailed in subsequent paragraphs.

**2. Academic Session:-** There will be two Summer & Winter academic sessions in a year. These sessions will start from first July and first January with their annual examinations scheduled to be held after in the second week of June & December (Preferably on second Saturday & Sunday) respectively.

Medium of Instruction & Examination & Hindi / English :- All other regional languages can also be allowed if possible.

## **3. Courses Offered :**

**(a) Six Month Certificate Course in Elementary Naturopathy & Yoga (C.E.N.Y.) (formerly pravesh.)**

**Eligibility :** Tenth class or equivalent exception can be made in the case of the personal who have an Experience in Nature Cure & Yoga of atleast 10 years and have proficiency in reading and writing Hindi & English.

**(b) One Year Certificate Course in Naturopathy & Yoga Technique (C.N.Y.T) (for merly UPCHARAK.)**

**Elegibility :** Class XIIth (10+2) or equivalent or C.E.N.Y. Pravesh (examination of the Parishad) Passed.

**(c) Diploma in Naturopathy & Yogic Science (DNYS) Three and Half Years Course** including six month's House Job.

**Eligibility :** Senior Secondary (10 + 2) or Intermediate or (C.N.Y.T.) (Formerly Upcharak) or One/Two year diploma in Naturopathy & Yoga form state or central Govt. recognised Institution or Diploma in Naturopathy from Arogya Mandir Gorakpur. Medical Graduate recognised by Govt. & Registered with the respective medical councils are eligibile to enroll himself

**(M.B.B.S., M.D., M.S., B.D.S., B.A.M.S., B.U.M.S., B.Pharma, Nursing degree)** directly for the DNYS IIInd year course thus they can complete the course with in 2½ year duration.

There will also be an additional compulsory paper of general science (100 Marks) for eligible candidate of DNYS Ist year examination who have not studied & passed Biology at Intermediate Examination or CNYT.

**5. Admission Procedure :** A Physicaly & mentaly fit candidate who has attained the age of 18 year having the eligible qualification of the course preferred, shall submit the precribed enrolment form, obtainable from the office of the Parishad or study centre affiliated with the Parishad on cash payment of rupees Hundred (Rs. 100/-) or Rupees One Hundred Fifty (Rs. 150/-) by post along with prescribed enrolment fee of Rs. 200/- well in advance before the commencement of the course. Selected application form duly filled in and completed must be accompanied with necessary documents. The enrolment stands cancelled automaticaly after a discontinuity of one regular sessions. This can be renewed on application after a payment of Rupees One Hundred. Further renewal is not allowed.

**6. Method of Teaching :** The study centres will make necessary arrangements of prescribed teaching & training according to syllabus (see appendix I) for the trainies enrolment through them. They can charge the arrangments fee for the same with preour permission of this Parishad. Arrangements will be made by the Parishad also to provide practical training with experienced Naturopaths in a reputed Nature cure centre any where in the country. This will help in learning the practical use of different techniques and modalities of treatments and prevention of reoccurrence of the disease. Only actual expenses will have to borne by the trainee.

**7. Examination form :** Each enrolled candidate shall be required to submit the duly filled in examination form (to be made available at the cost of Rs. 50/- from the office of the Parishad) along with prescribed fee. Typed or Photostate form will not be accepted. Last date for subbmision of examination form for June examination is 31st January & 31st Julty for December examination. The form can be submitted in the Parishad office

with a late fee of 100/- (one hundred) upto 45 days before the examination. Form received after the last date shall be kept in pending for the next session if so desired by the candidate in advance.

**8. Examination Details :** (a) All examination centres will be decided by the Parishad and the candidate is bound to appear in the examination from the same centre. In case a candidate wished to change the centre, She/he should submit request application suggesting alternate name of 3 examination centres places 30 days before the commencement of the examination with fee of Rs. 100/- (one hundred) on which Parishad's decision will be final.

(b) Written examination will be organised in two sessions per day. First session will be held in between 9 a.m. to 12 noon & Second Meeting will be held in between 2 p.m. to 5 p.m.

(c) There shall be only one centre in a city for 100 or more candidates. If the number is less than 100 candidates in a city the candidate will be allotted some other centre outside the city/district/state. Parishad can create additional centres at its own discretion.

(d) A candidate who fails to appear in the examination on medical grounds has to submit medical certificate along with an application within fifteen days of the respective examination unless their examination fee shall be forfeited. He has to submit his admit card along with a fee of rupees two hundred with application on plain paper for revalidation to appear in the examination 60 days before the forthcoming examination. Only one session gap is allowed in this case.

(e) A candidate who fails in science only can appear in II<sup>nd</sup> Year examination before II<sup>nd</sup> year examination, but he has to pass this examination before III<sup>rd</sup> year examination of D.N.Y.S.

(f) A candidate who fails in one written paper only, can apply for supplementary examination scheduled to be held with the next examination along with a fee of rupees two hundred well in the same schedule of the coming examination. A candidate can apply for rechecking after the declaration of the results within one month along with requisite fee of Rs. 200/- for each paper.

(g) Viva, Practical & Sessional /Project works is a compulsory part of the examination. Candidates who do not clear viva, Practical & Sessional/Project Work, shall be declared unsuccessful into the relevant examination. Viva, Practical and Sessional / Project work is of 100-100 marks each separately.

(h) A candidate whose attendance is very poor during the training, will not be allowed to appear in the examinations.

9. Minimum pass marks for each & every paper, viva, practical examination is 50% (IInd division). A candidate who secure 60% or more marks, will be declared first division. Achievement of 75% or more marks by a candidate will be distinction mark.

10. An unsuccessful candidate can appear in next full examination. He/She will have to submit fresh application form along with the required examination fee.

11. (a) there shall be only one written paper in C.E.N.Y..

(b) There shall be only one written papers of 100 marks, 60 marks for viva & 20 mark for practical work 20 marks for project work.

(c) There shall be two written paper of 100-100 Marks, 60 Mark viva, 20 Mark for practical work & 20 Mark for Project sessional work in each year of DNYS in their annual examination.

### **(9) Fee Schedule (For June 2011)**

Enrolment Form Fee	100/-
Enrollment Fee	200/-
Examination Form Fee	50/-
Late Fee	200/-
Re-Checking Fee	200/-
Science Paper Fee	200/-
CENY Examination Fee	300/-
CNYT Examination Fee	400/-
DNYS 1st Year Examination Fee	500/-
DNYS IInd Year Examination Fee	600/-
DNYS IIIrd Year Examination Fee	700/-

Parishad Prabha (Subscription Compulsory)	100/-
Duplicate of Marksheet Fee	200/-

Class and Practical fee can be decided appropriately with the preour approved of Parishad by each centre. Fee deposited once shall not be refunded. If a candidate submits proper reason for his/her absence in the examination within the 15 days (after the examination, his/her fee can be adjusted in the next examination only if the Parishad decides. The decision of the Parishad will be final.

**(10) Certificate of Examination :** The parishad will issue the certificate only after the passing of examinations according to its schedule. A candidate after passing the DNYS IIIrd year examination will have to undertake 6 months regular practical house job training in the centers recognised by the Parishad. After the completion of this training the candidate has to apply for the certificate on the presecibed form duly filled with necessary documents. On submission of the application from along with one hundred rupees (Rs. 100/-) certificate fee can get it after successful interview & oath for good conduct in adopting & following Naturopathy.

**(11) Special Remarks :** Trained candidates will be responsible for their illegal activities. Parishad's decision to change the rules and regulations shall be final. Jurisdiction area will be within Delhi Territory.

## **Appendix (I) Refers to Para 6 of Prospectus SYLLABUS**

### **(A) C.E.N.Y. (Pravesh)**

One Paper only                      M.M. : 100,                      Time : 3 Hrs

1. History of naturopathy.
2. Health and Nature Cure.
3. Ram Nam and Nature Cure.
4. Wrong eating habit.
5. Gandhian Philosophy of Nature Cure.

6. Five Elements - Space, Air, Water, Sun, Earth.
7. Foreign Matters-Definition, Origin, Effects on body.
8. Raw Eating - Method and Importance.
9. Acute and chronic Diseases - Definition and Clinical Features.

10. **(a) Shat Karm, Yog and Pranayam :**

**(b) Asan-Katichakrasana, Tadasana, Konasana, Padamasana, Shavasana, Paschimaotanasana, Ardhmatsyenderasana, Uttanpadasan, Gomukhasana, Vajarasana, Chakrasana, Pawan Muktasana, Matasyasana, Dhanurasana, Nokasana, Halasana, Bhujangasana, Tratak, Shalabhasana, Surya Namaskar and Suksham Vyayam.**

**(c) Pranayam : Sheetali, Ujjai, Anulom-Vilom, Bhastrika, Bhramrhi, Seetkari, Suryabhedhi.**

## **B-(2) C.N.Y.T. (Upcharak)**

M.M. : 100,

Time : 3 Hrs

**1. Naturopathy: Definition and Philosophy.**

**2. Suntherapy (Chromotherapy):**

- a) History, Introduction and Chromophilosophy
- b) Physiological use and limitations of different colours.
- c) Charging of Water, Air, Oil, Raw Sugar. Glycerine etc.

**3. Mud Therapy**

- a) Types of Mud: Black Soil, Yellow Soil, Red Soil, Domat Soil, Gangoti Soil, Multani Soil, Deemak Soil and sand.
- b) Application of mud in various disorders.

**4. Water Therapy**

- a) External use of water Simple whole Body Bath, Foot Bath, Hip Bath, Spinal Bath, Parineal Bath, Shower, Jet Pressue, River Bath, Sea Bath.
- b) Internal use of water-Gargle, Ear bath, Neti, Kunjal Shankhprakashalan, Enema.
- c) Wet bandage and compress: Local and General.

**5. Space Element**

- a) Fasting: Method and Benifts.

- b) How to break fast.
- c) Fast in curing diseases.
- d) Sleep and restoration.
- e) Vital Power and Healing crisis.

**6. Massage :-**

- (a) Massage Manipulations
- (b) Speciality of Massager
- (c) Therapeutic uses of massage and its limitations.

**7. Food Therapy :-**

- (a) Salad, Sprouts, Juices and Fruits
- (b) White Poison - Sugar, White Flour, Vegetable Ghee.

**8. Human Body :- Physiology and Anatomy**

**9. Health and Nature :-**

- (a) Pollution Air, Water and Sound
- (b) Importance of Vegetative Kingdom for Human existence.
- (c) III Effects of Chemicals.

**10. Various Diseases and their Naturopathic Treatment :-**

Constipation, Asthama, Insomnia, Blood Pressure (High and Low), Obesity, Diabetes, Strees, Cervical and Lumbar Spondylosis, Jaundice, Cold, Fever, Epistaxis, Sun Stroke and Blood Disorder.

First Aid—

Practical & viva 60 Marks, Sessional works & Project work of 20-20 Marks each.

## **C-(One) D.N.Y.S. (1st Year)**

**(A) First Question Paper,**      M.Marks : 100,      Time : 3 Hrs

**I. Natural Hygiene & Public Health**

1. Aims and basic principles of disease prevention.
2. Development of physical, Mental and Spiritual health.
3. Community sanitation and hygiene.
  - (a) Water Supply
  - (b) Environmental Sanitation
  - (c) Health laws for food
4. Personal Hygiene : Sun Bath, Colon Hygiene, Rest,

Sleep, Personal Cleanliness, Hygiene of eating and drinking.

5. School Hygiene.
6. Din-Charya and Ritu-Charya
7. Health destroying habits : Pan, Smoking, Tea, Coffee, Drinks.

## **II. First Aid**

1. Accidental Condition
2. Stopping of Haemorrhage.
3. Type of Bandages
4. Type of Splint
5. Fracture and general management
6. Drowning
7. Duties of a medical practitioners
8. First aid in bum injury
9. Heat Attack

## **III. General Study of Pathology**

1. Study of sick cells, Functions of Tissues.
2. Inflammation-cause, incubation, vascula, phenomenon, Cellular responses.
3. Gangrene-Dry, Moist and Gas.
4. Repair-Regeneration promoting factors.
5. Necrosis
6. Neoplasm-Carcinogen, Difference between Benign and Malignant tumors.
7. **DIGESTIVE -DISORDERS** : Peptic Ulcer, Gastritis, Constipation, Dysentery, Jaundice, Cirrhosis of Liver, Ascities, Amoebiasis and Ulcerative Colitis.
8. **CARDIOVASCULAR DISORDERS** : Rheumatic fever, congenital heart disease, Heart Failure, Varicose Veins, hypertension and Hypotension.
9. **RESPIRATORY DISEASES** : Sinusitis, Asthama, Bronchitis, Emphysema, Bronchiectasis, Pneumonia and Tuberculosis.
10. **ENDOCRINE DISORDERS** : Diabetes, Hyper- pituitaries, Hypopituitarism, Hypo and Hyper-thyroidism.

## **C-(One) D.N.Y.S (1st Year)**

**(B) Second Question Paper,**      Marks : 100,      Time : 3 Hrs

1. Bones and their functions.
2. Skeleton Muscle, Cardiac Muscle, Visceral muscle and their functions.
3. Blood Lymph and its functions.
4. spleen and its functions.
5. Digestive System, Salivary Glands, Gastric Juice, Pancreatic Juice, Bile Juice, Absorption and Assimilation.
6. Excretory System : Kidney and their function, skin.
7. Respiratory System : Respiration, Carriage of Oxygen into blood.
8. Central Nervous System : Brain and its functions, Nerves and their functions, Autonomous Nerves & their function.
9. Circulatory System : Heart and its functions, pulmonary circulation, portal system.
10. Special senses and their functions : Eye, Ear, Nose, Skin & Tongue.
11. Endocrines : Functions of Pituitary, Thyroid, Thymus, Pancreas, Adrenal and Gonads.

### **II. Anatomy**

1. Structure of cell, tissues of the body.
2. Bones and their relationship with parts of body.
3. Muscles of legs, hands, trunk, face and eyes.
4. Important joints.
5. The digestive System : Mouth, Oesophagus, Stomach, Small Intestine, Large intestine, Rectum, Liver, Pancreas.
6. The Reproductive System: Male and Female reproductive organs.
7. Respiratory System : Nose, Pharynx, Trachea, Lungs.
8. Circulatory System : Heart, Blood Vessels and Lymphatic system.
9. The Nervous System : Autonomous Nervous system, Brain, Spinal cord, Cranial Nerves.

10. Special Sense organs : Tongue, Nose, Eye, Ear and Skin.
11. Endocrine System : The pineal gland, The pituitary gland, Thymus, Thyroid, Parathyroid, Adrenal gland, Pancreas and Gonads.
12. The Excretory System : Kidney, Ureter, Urinary Bladder, Urethra, Skin.

**C. Viva :** M.M 60 Marks

**D. Practical :** M.M 20 Marks

**E. Sessional/Project Work :** M.M 20 Marks

### **C-(Two) D.N.Y.S (IInd Year)**

**(B) First Question Paper,** M.Marks : 100, Time : 3 Hrs

#### **I. Philosophy of Nature Cure**

1. The Principal of Nature Cure
2. Gandhian Philosophy of Nature.
3. Panchtantra and laws of Nature.
4. Method of Nature of preservation and importance, general health, fasting, Natural diet, Exercise, Regular habits, Rest and Relaxation hunger etc.
5. How to acquire natural immunity to diseases.
6. Healing Crisis and Disease Crisis.
7. Toxins and anti toxins and their elimination.
8. Suppression of disease and its consequences.
9. The importance of right mental attitude.
10. Vaccination and their ill effects.

#### **Science of Facial Expression**

1. Foreign matter theory-Definition and formation of foreign matter.
2. Accumulation of foreign matter, liquids and solids, dry and gaseous form.
3. Bad habits and accumulation of foreign matter.
4. Encumbrances - types and characters.
5. Elimination of foreign matter and how to increase the vitality.

## C - (Two) D.N.Y.S. (IInd Year)

(B) Second Question Paper, M.Marks : 100, Time : 3 Hrs.

### I. Nature Cure Methods & Practice

### II. Hydrotherapy

1. Physical Properties of Water.
2. Principals of Hydrotherapy.
3. Physiological effects of water applications respiration, Digestion, Action and Reaction.
4. Classification of Hydrotherapy Prescriptions.
  - (a) Primary effects.
  - (b) Excitant effects
5. Internal Excitation
6. Secondary excitant effects.
  - (a) Restorative effects.
  - (b) Tonic effects.
  - (c) Expectorant effects.
  - (d) Resultive and Derivative effects.
7. General and local sedative effects.
8. The technique of Hydrotherapy :
  - (a) Water drinking
  - (b) Effusions
  - (c) Irrigation-irrigation of nose, stomach, colon and recium.
  - (d) Douches, Scotch douche, spinal Douche, Alternate Douche.
  - (e) **PACK** -Chest packs, Trunk packs, Partic packs. T. Packs, Leg Packs, Local Packs, Full Wet sheet packs.
  - (f) **BATHS**-Hip Bath, Spinal Bath, Sitz Bath, Foot Bath, Imersion Baths.
  - (g) Vapour Baths, Steam Bath and Air Baths, Ice treatments.

## **II. Mud Therapy**

- (a) Types of Mud.
- (b) Collection and Properties of mud.
- (c) Mud Poultice.
- (d) General and local mud applications.
- (e) The physiological and pathological effects and contraindications.

## **III. Chromo Therapy**

- (a) Types of colours-primary & secondary.
- (b) Chromophyllosphy.
- (c) Chromo hygiene.
- (d) Limitations of Chromo therapy.
- (e) Physiological use of Violet, Indigo, Blue, Green, Yellow, Orange, Red, Infra-Red and Ultra-Violet.
- (f) Charging of Air, Water, Oils, Foodstuffs, Glycerin, Vaseline, Raw Sugar, Milk, Rose-water etc.

**C. Viva M.M :** M.M. 60 Marks

**D. Practical :** M.M. 20 Marks

**E. Sessional/Project Work :** M.M. 20 Marks

## **C - (Three) D.N.Y.S. (IIIrd Year)**

(A) First Question Paper,      Marks : 100,      Time : 3 Hrs.

### **I. Yoga**

1. Yoga - Definition, Concepts, Aims and objectives.
2. Different types of Yoga : Raj Yoga, Bhakti Yoga, Hath Yoga.
3. Philosophy of Yoga-Yog Sutra, including 8 steps of Yoga (Astang Yoga).
4. Effects of various Yoga Asans of different systems.
5. Circulation effects of Asanas, Pranayam, Mudras, Bandhas & Kriyas.
6. Difference between Yogic and non-Yogic exercises.
7. Yoga and Mental Health.
8. Surya - Namaskar.
9. Meditation

## **II. Fasting**

1. Definition
2. Difference between fasting and starvation.
3. Types of fast, short fast, intermittent fast, long fast.
4. Physiological during fast.
5. Treatments during fast.
6. How to start fast, how to continue and how to break fast.
7. Crisis during the fast and its treatment.
8. Methods of fasting - Complete fast, Partial Fast, Water Fast, Juice Fast, Saline Fast, Fruit Fast, Mono-diet fast.

## **B. Nutrition and Dietetics**

1. Classification of food and drinks.
2. Deficiency diseases.
3. Artificial foods and their ill-effects.
4. Acidic and Alkaline foods.
5. Digestion, Absorption and Assimilation.
6. Customs and manners of eating.
7. Combination of foods.
8. Value of foods, in raw state, germinated form and cooked form.
9. What to eat, how to eat and how much to eat.
10. Nutrition and its Importance.
11. Nutrition and natural resistance to infection.
12. Blanced Diet.

## **II. Manipulative Treatments.**

1. Theory of massage.
2. Therapeutic use of massage.
3. Physiological effects of massage-upon skin, muscular system, Circulatory system, gestlve system and nervous system.
4. Massage Manipulations : Hacking, Stroking, Percussion, Pertrispange, Friction, Tapotment, Vabration and Shaking.

5. Principles & Points of Acu-Pressure and their manipulation methods, uses and limitations.

### **C-(Three) D.N.Y.S. (IIIrd Year)**

**(B) Second Question Paper** M. Marks : 100, Time : 3 Hrs.

#### **I. Management of Diseases, Clinics and Hospitals.**

#### **II. Obstetrics and Gynecology**

1. Anatomy and physiology of genital organs.
  2. Ovarian and Uterine - cycles.
  3. Disorders of menstruation.
  4. Common diseases and Sexually Transmitted Disease (STD's)
  5. Physiology of Pregnancy.
  6. Development of Embryo and Placenta.
  7. Normal and abnormal labour.
  8. Antenatal and Postnatal Care.
  9. Care of Mother and new born.
- c. **Viva** : M.M. 60 Marks
- d. **Practical** : M.M. 20 Marks
- e. **Sessional/Project Work** : M.M. 20 Marks

### **General Science (Only for non-bio Students)**

Only one Paper M.M. : 100 Time : 3 Hrs.

#### **I. Origin, Evolutions & Community of Life :-**

Heredity and Variation, Introduction. Mendel's experiments with peas and idea of factors, Mendel's laws of inheritance Genes, packaging of hereditary material in prokaryotes - bacterial chromosome; plasmid and eukaryote chromosomes. Cell division. Cell cycle, mitosis and meiosis. Genetic material and its replication, gene manipulation. Gene expression: genetic code.

Origin of life, Living and non-living; chemical evolution, organic evolution; Oparin Mendel's ideas, Miller-Urey experiments. Interrelationships among living organisms and evidence, common feature of Life process-energy transformation;

genetic code, protein synthetic machinery, fossil record including geological time scale, Morphological evidence-ho-mology, vestigial organs, embryological similarity.

Darwin's two major contributions, common origin of living organisms and recombination as sources of variability, selection acts upon variation, adaptation (Lederberg's replica plating experiment for indirect selection of bacterial mutants); reproductive isolation, speciation. Role of selection change and drift in determining gametic composition of a population. Selected examples; industrial melanism; drug resistance, mimicry, malaria in relation to G-6-PD deficiency and sickle cell disease, Human evolution, Paleontological evidence, man's place among mammals. Brief idea of dryopithecus, Australopithecus, Homo erectus, H. neanderthalensis, cromagnon man and Homo sapiens. Human chromosomes, similarity in different racial groups. Comparison with chromosomes of non-human primates in indicate common origin; Cultural is biological evolution.

## **II. Fundamental Knowledge of Zoology**

**Animal tissues** :- epithelial, connective, muscular nerve.

**Animal nutrition** :- Organs of digestion and digestive processes, nutritional requirements of carbohydrates proteins, fats, minerals and vitamins: nutritional imbalances and deficiency diseases. Gas exchange and transport : Pulmonary gas exchange and organs involved, transport of gases in blood, structure and pumping action of heart, arterial blood pressure, lymph. Excretion and osmoregulation, aminotelism, ureotelism, uricotelism, excretion of water and urea with special reference to man. Role of kidney in regulation of plasma, osmolarity on the basis of nephron structure, skin and lungs in excretion. Hormones as messengers, and regulators. Nervous coordination central, autonomic and peripheral nervous systems, receptors, effectors, reflex action, basic physiology of special senses integrative control by neuroendocrinal systems. Locomotion, joints, muscle movements, basic aspects of human skeleton. Reproduction, human reproduction, female reproductive cycles. Embryonic

development in mammals (upto three germ layers), Growth, repair and ageing.

### **III. Fundamental Knowledge of Botany**

**Introduction** :- Multicellular way of life in plants and animals. The basic philosophy of form and function in plants and animal. Modes of nutrition transport of solutes and water in plants. Photosynthesis : Photochemical and biosynthetic phases; diversity in photosynthetic pathways. Transpiration and exchange of gases stomatal mechanism, Osmoregulation in plants. Reproduction and development in plants : major forms of plant reproduction - asexual and sexual brief account of mode of sexual reproduction in multicellular lower plants. Structure & Functions of flower, development of Male & Female gametophytes, angiosperm, pollination, fertilization and development of endosperm, pollination, fertilization and development of endosperm, embryo, seed and fruit. Differentiation and organ formation. A brief account of growth and movement in plants.

### **IV. Fundamental Knowledge of Chemistry**

**1. Atoms, Molecules and Chemicals Arithmetic** :- Chemical classification of matter (mixtures, compounds and elements and purification). Law of chemical combination and Dalton's Atomic Theory. Atomic Mass (mole concept, determination of chemical formulas). Chemical equation.

**2. Elements, their Occurrence and Extraction** :- Earth as a source of elements, Elements in biology, Elements in sea. Extraction of metals (metallurgical process, production of concentrated ores, production of metals and their purification). Mineral wealth of India. Qualitative test of metals.

**3. Carbon and its compounds** :- Elemental Carbon, Inorganic compounds of carbon (Oxides of Carbon, Halides, Carbides). Organic compounds. Nomenclature of Organic compounds (Hydrocarbons, functional groups). (Alkynes, Alcohols, Aldehyde, Ketones, Halides, Acids, Nitro compounds and Amines).

**4. Chemistry of Non-metals :-** (Hydrogen, Oxygen and Nitrogen):(Position in periodic table, occurrence, Isotopes, properties reaction and uses).

**5. Purification and Characterisation of Organic Compounds :**

Purification (crystallisation, sublimation distillation, differential extraction, chromatography). Qualitative analysis (analysis of nitrogen, sulphur, phosphorus and halogens).

**The Molecules of Life :-** The cell, Carbohydrates (monosaccharides, disaccharides and polysaccharides). Proteins (amino acids, peptide bond, structure of proteins and denaturation, enzymes). Nucleic acids (structure, the double helix, biological function of nucleic acid, viruses.) Lipids.

**6. The State of Matter:** Structure of simple ionic compounds. Close packed structures. Ionic radii. Silicates (elementary ideas). Imperfection in solids (Point defects only). Properties of solids. Amorphous solids. The Gaseous state. Ideal gas equation - Kinetic theory (fundamentals only).

**7. Solutions:** Types of solutions, Vapour-pressure of solution and Raoult's law. Colligative properties. Non-ideal solutions and abnormal molecular masses. Mole concept, volumetric analysis-concentration unit.

**8. Chemistry of Biological process:-** Carbohydrates and their Metabolism; Haemoglobin, Blood and Respiration; Immune system; Vitamins and Hormones. Simple idea of chemical evolution.

**V. Fundamental knowledge of Physics**

**1. Introduction and Measurement :-** What is physics; Scope and excitement; Physics in relation to science; and technology need for measurement, units for measurement, systems of units-SI: fundamental and derived units. Dimensions and its application. Order of magnitude.

**2. Laws of Motion :-** Force and Inertia, first law of motion. Momentum second law of motion, Impulse, some kinds of forces in nature. Third law of motion, conservation of momentum, rocket

propulsion. Equilibrium of concurrent forces, Static and Kinetic friction. Laws of friction, rolling friction, lubrication.

**3. Work Energy and Power:** Work done by a constant force and by a variable force, unit of work, kinetic energy, power, Elastic collision in one and two dimensions, Potential energy, gravitational potential energy and its conversion to kinetic energy.

**4. Gravitation :-** Acceleration due to gravity, one dimensional motion under gravity, two-dimensional motions under gravity, Universal law of gravitation. Inertial and gravitational mass, variations in the acceleration due to gravity of the earth, orbital velocity, geostationary satellites, gravitational potential, escape velocity.

**5. Waves :-** Wave motion, speed of wave motion principle of superpositions, reflection of waves, harmonic waves (qualitative treatment only).

**6. Electrons and Protons:** Discovery of electron,  $e/m$  for an electron, electrical conduction in gases, particle nature of light, Einstein's photoelectric equation, photocells.

**7. Atoms, Molecules and Nuclei:** Rutherford model of the atom, Bohr model, energy quantization, hydrogen spectrum, composition of nucleus, atomic masses, isotopes, size of nucleus, radioactivity. Mass energy relation nuclear fission and fusion, nuclear holocaust.

**8. Solids and Semiconductor Device:** Crystal structure Unit cell, single poly and liquid crystal (concept only). Energy bands in solids, conductor, insulators and semiconductors, P.N. Junction, Diodes, Junction transistor as an amplifier and oscillator, logic gate and combination of gates.

## सन्दर्भ पुस्तकें (Reference Books)

### (A) C.N.E.T. प्रवेश

1. आरोग्य की कुन्जी महात्मा गांधी
2. कुदरती उपचार महात्मा गांधी
3. राम नाम (सभी कक्षाओं के लिए) महात्मा गांधी
4. प्राकृतिक जीवन की ओर एडोल्फ जस्ट
5. प्राकृतिक चिकित्सा का सामान्य ज्ञान डॉ. ओंकार नाथ
6. स्वास्थ्य के लिए फल तरकारियां डा० विट्ठलदास मोदी
7. परिषद् प्रभा-मासिक पत्रिका परिषद् कार्यालय

### (B) C.N.Y.T. (उपचारक)

1. डा० आकाश (सभी कक्षाओं के लिए) डा० ओंकार नाथ
2. डा० वायु (सभी कक्षाओं के लिए) डा० ओंकार नाथ
3. भोजन और स्वास्थ्य डॉ. ओंकार नाथ
4. वैज्ञानिक मालिश डॉ. सत्यपाल
5. आहार ही औषधि है डॉ० हीरालाल
6. डा० पृथ्वी (सभी कक्षाओं के लिए) डा० ओंकार नाथ
7. स्वास्थ्य ही धन है डॉ० बी.एस. बेदी

### (C) D.N.Y.S. (Ist Year) (प्रथम वर्ष)

1. मानव शरीर रचना डॉ. जानकी शरण शर्मा
2. शरीर रचना एवं शरीर क्रिया विज्ञान श्री नन्दन बंसल
3. डबास नेचर गाईड डा० आर० एस० डबास
4. दिव्य प्राकृतिक चिकित्सा डॉ० रामदत्त शर्मा
5. Anatomy and Physiology Eleven Pearce
6. First Aid to injured St. John Amb. Ass.
7. कब्ज, गैस की अचूक चिकित्सा डॉ. ओम प्रकाश आनन्द

### D.N.Y.S. (द्वितीय वर्ष)

1. जल चिकित्सा डॉ० ओंकारनाथ/डॉ० नीरज

- |   |                       |
|---|-----------------------|
| 2. पृथ्वी                                 | डॉ० ओंकारनाथ/डॉ० नीरज |
| 3. सूर्य                                  | डॉ० ओंकारनाथ          |
| 4. आकृति से रोग पहचान                     | लूई कुने              |
| 5. रोगों की नई चिकित्सा                   | लूई कुने              |
| 6. अभिनव प्राकृतिक चिकित्सा               | डॉ. कुलरंजन/डॉ. नीरज  |
| 7. Philosophy and Practice of Nature Cure | Dr. H.K. Bhakru       |
| 8. Science of Healing                     | L. Kuhne              |
| 9. A complete Handbook of N.C.-I          | Dr. H.K. Bhakru       |

**D.N.Y.S. ( तृतीय वर्ष )**

- |   |                        |
|---|------------------------|
| 1. वैज्ञानिक मालिश                              | डॉ. सत्यपाल            |
| 2. भोजन और स्वास्थ्य                            | डॉ. ओंकारनाथ/डॉ. शर्मा |
| 3. उपवास  | डॉ. जयनारायण जायस्वाल  |
| 4. स्त्री रोगों की गृह चिकित्सा                 | डॉ. कुलरंजन मुखर्जी    |
| 5. रोगों की सरल चिकित्सा                        | डॉ. विट्ठलास मोदी      |
| 6. बुनियादी प्राकृतिक चिकित्सा                  | डॉ. सुखबीर सिंह        |
| 7. पुराने रोगों की गृह चिकित्सा                 | डॉ. कुलरंजन मुखर्जी    |
| 8. A complete Hand book on Nature Cure (Vol-II) | Dr. H.K. Bhakru        |
| 9. "Secrets for Health & Longevity"             | Dr. Omkar Nath         |

सामान्य विज्ञान के अध्ययन के लिए केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद् के निर्धारित पाठ्यक्रमों से सम्बन्धित पुस्तकों का अध्ययन करें।

For General Science Study please read the 10+2 Standard book of CBCE Board.